हरि आ जाओ

हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥
हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥

हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥
मेरा कोई न, सहारा बिन तेरे, प्रभु राम, रमईया मेरे ॥

भव सागर में, जीवन नईया, कोई नहीं है, तुझसा सहईया ॥
हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥

यह जीवन है, तुझसे पाया, सब तेरे कोई ना पराया ॥
हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥

इस जीवन के, बंधन खोलो, हे प्रभु अपनी, शरण में ले लो ॥
हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥

हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार ॥
हरी आ जाओ, इक्क वार, हरी आ जाओ, इक्क वार,,,,,,,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7761/title/hai-aa-jaao-ik-vaar

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |